

12.00 Noon

priority को ध्यान में रख कर मैं उन्हें allow कर रहा हूँ, मगर माननीय सदस्यों से मेरा अनुरोध यह है कि कृपया विषय के ऊपर सदन का ध्यान आकृष्ट करने का प्रयास करिए। अगर इसमें आरोप वगैरह करने की प्रवृत्ति बन गई, तो इसके लिए दो तरीके हैं, एक तो इसको रोकना या पहले से ऐसा कौन-कौन लोग कर रहे हैं, इसको ध्यान में रख कर ऐसे महानुभावों को कम अवसर देना, आगे ऐसा ही करना पड़ेगा। इसलिए कृपया सब लोग इसको ध्यान में लीजिए।

Now, we will move on to Question Hour.

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair*)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS**Conflict over the practice of 'integrative medicine'**

*151.DR. SANTANU SEN: Will the Minister of AYURVEDA, YOGA AND NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH) pleased to state:

(a) whether the Minister is aware of the growing differences between Ministry of AYUSH and Ministry of Health and Family Welfare's National Health Authority (NHA) over the practice of integrative medicine'; and

(b) if so, the details of alternative treatments that the AYUSH Ministry has talked about?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF AYURVEDA, YOGA AND NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH) (SHRI SHRIPAD YESSO NAIK): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) There are no differences between Ministry of AYUSH and Ministry of Health and Family Welfare's National Health Authority (NHA) over the practice of 'integrative medicine'.

(b) In view of (a), the question does not arise.

DR. SANTANU SEN: Sir, my first supplementary is this. As you all know, Yoga, Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy are age old systems of medicine of

[Dr. Santanu Sen]

our country. But, sometimes, we see that instead of promoting each and every system, there is a tendency of promoting mixopathy. Why is it so, Sir?

श्री श्रीपाद यसो नाईक : उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने जो question पूछा है कि इसके लिए प्रधान मंत्री जी की जो स्कीम है, क्या उसमें इन systems के बारे में कुछ differences हैं, तो मैं बताना चाहता हूँ कि हमारे AYUSH में 5-6 pathies आती हैं - Ayurveda, Yoga, Naturopathy, Unani, Siddha, Homoeopathy and Sowa-Rigpa. इन अलग-अलग pathies का अलग-अलग सिस्टम है। Homoeopathy का अलग सिस्टम है, Naturopathy और Yoga का तो without medicine है। Ayurveda, Unani and Siddha medicine के ऊपर चलती हैं। इनके promotion के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक नया मंत्रालय, आयुष मंत्रालय बनाया था। इसके बाद पिछले 5 सालों से इनका बहुत तरह से प्रचार-प्रसार हो रहा है। आज बहुत लोग Ayurveda Hospital और Ayurveda OPD से सब जगह जुड़ रहे हैं। इनके अलग-अलग सिस्टम होने के कारण हम इनमें अलग-अलग तरीके से मदद करते हैं।

श्री उपसभापति: दूसरा सप्लीमेंटरी।

DR. SANTANU SEN: My second supplementary is this. In our State of West Bengal, under the leadership of our Health Minister-cum-Chief Minister, Madam Mamata Banerjee, one medical college for Yoga and Naturopathy is going to be opened at Belur. A budget proposal of nearly ₹ 67 crores was sent to our Government of India. But, unfortunately they promised only ₹ 9 crores and, out of which, only ₹ 5 crores have been sent to our Government. What about the next allotment? Secondly, a land of nearly ten acres was asked for by the Government of India in our State of West Bengal for research purpose which had already been sanctioned by our hon. Chief Minister, Madam Mamata Banerjee, but we have not got any communication from the Government.

श्री श्रीपाद यसो नाईक: उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य जो बता रहे हैं कि यह जो 67 करोड़ रुपए का हॉस्पिटल है या इसमें जो fund issued है, यह हमारे नियंत्रण में नहीं है, यह स्टेट गवर्नमेंट का hospital होगा। हमारी जो National Ayush Mission की स्कीम है, उसके तहत हमने वैस्ट बंगाल के लिए अब तक दो hospitals sanction किए हुए हैं। हमने उनके लिए 9-9 करोड़ रुपए करके 18 करोड़ रुपए दिए हैं। उनमें से एक hospital तो तैयार होकर शुरू भी हो गया है। दूसरे hospital का construction complete हो गया है और अभी वह शुरू होने वाला है। यह जो हमारी स्कीम है, इसमें हम 60 per cent funding करते हैं। इसमें राज्य सरकार land देती है और अपना 40

per cent share देती है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि आज तक हमने वैस्ट बंगाल को बहुत support किया है। हमारी National Institute of Homoeopathy वहाँ है, जो बहुत अच्छा काम कर रही है। उसके आगे जाकर हमने एक pharmacy को support किया है। हमने एक drug testing laboratory को भी support किया है। हमने आज तक वैस्ट बंगाल को 94.91 करोड़ रुपए का फंड दिया है। उसमें से उसने केवल 24 करोड़ रुपए खर्च किए हैं और 71 करोड़ रुपए उसके पास pending हैं। मैं माननीय सदस्य से कहना चाहता हूँ कि वे ज़रा चीफ़ मिनिस्टर साहिबा से कह कर उस फंड का उपयोग लोगों के लिए करें, यही मेरी प्रार्थना है।

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Mr. Deputy Chairman, Sir, AYUSH is increasing its popularity in India and the Government's effort to expand the nation's alternative medicine infrastructure is underway. So, I would like to know from the hon. Minister how much of this intended infrastructure for alternative medicine and other AYUSH treatments has been achieved.

श्री श्रीपाद यशो नाईक: माननीय उपसभापति महोदय, माननीय सदस्य ने बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है। मुझे यह बताने में खुशी हो रही है कि पिछले पांच सालों में, सबसे पहले दिल्ली में हमने 2016 में एक All India Institute of Ayurveda शुरू किया है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आज हर दिन ओपीडी में वहाँ कम से कम 2000 से भी ज्यादा पेशेंट्स आते हैं। हमारा हॉस्पिटल यहां 100 बेड्स का है, इसलिए आठों दिनों के लिए पहले से ही बुकिंग करवानी पड़ती है। हर राज्य में इसी तरह के इंस्टीट्यूट्स बनाए जाने का प्रावधान है। पुणे में हमने National Institute of Yoga and Naturopathy शुरू किया है, गोवा में All India Institute of Ayurveda, Yoga and Naturopathy पर काम शुरू हो गया है। इसी तरह हरियाणा में Post-Graduate Institute of Yoga and Naturopathy Education and Research (PGIYNER), नागमंगला, कर्णाटक में National Institute of Yoga and Naturopathy शुरू कर दिए गए हैं। हमारा इन्फ्रास्ट्रक्चर लगातार बढ़ रहा है। हमारे पास जितना बजट उपलब्ध है, उतना ही हम इस काम को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। आने वाले समय में सभी राज्यों में इस तरह के बड़े इंस्टीट्यूट्स खोले जाने का प्रावधान है।

डा. अशोक बाजपेयी: माननीय उपसभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि आयुष के अंतर्गत जो आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति है, पहले इसकी दवाओं का निर्माण प्रायः फार्मसीज़ के अंतर्गत होता था और वे फार्मसीज़, दवाओं के निर्माण की हमारी जो वैदिक रीति थी, उसी के अनुरूप दवाएं बनाती थीं। लेकिन आज जितने भी पुराने फार्मसी कॉलेज हैं या फार्मसी इंस्टीट्यूट्स हैं, वे बंद पड़े हैं। क्या आयुर्वेद की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए, आपकी अपनी फार्मसीज़ में आयुर्वेदिक दवाओं के विनिर्माण के लिए कोई कार्य योजना है? यदि है, तो क्या है?

श्री श्रीपाद यशो नाईक: माननीय उपसभापति जी, यह प्रश्न फार्मसीज़ के संबंध में है। हमारे पास मेडिसिस प्रोड्यूस करने की कम से कम 37 यूनिट्स हैं। एक तो सेंट्रल गवर्नमेंट की यूनिट है, बाकी सब राज्यों की यूनिट्स को मिलाकर कुल 37 यूनिट्स हैं, जो आयुर्वेदिक मेडिसिंस का बहुत अच्छा प्रोडक्शन करती हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Next Question.

शवपरीक्षा को नई तकनीक

*152. **श्री रेवती रमन सिंह:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) मिलकर एक ऐसी तकनीक पर कार्य कर रहे हैं, जिससे शव का चीर-फाड़ किये बिना हो शव परीक्षा हो सकेगी; और

(ख) यदि हां, तो इस तकनीक को कब तक कार्यान्वित कर दिया जाएगा?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डा. हर्षवर्धन): (क) और (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) जी, हां। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) मिलकर एक ऐसी तकनीक पर कार्य कर रहे हैं, जिससे शव को चीर-फाड़ किये बिना हो शव परीक्षा हो सकेगी। इस तकनीक के अगले छः माह में कार्यात्मक होने को संभावना है।

New technique for postmortem of body

†*152. SHRI REWATI RAMAN SINGH: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) and Indian Council of Medical Research (ICMR) are working together on a technique that would allow postmortem without incising the body; and

(b) if so, by when this technique would be implemented?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (DR. HARSH VARDHAN): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

†Original notice of the question was received in Hindi.